दैनिक नवज्योति ajmer city - 20 Jan 2025 - Page 5

अजमेर अजमेर, सोमवार, 20 जनवरी, 2025

सफलता, निष्पक्ष और विश्वसनीयता के 89 आपके लिए, आपके साथ dainiknavajyoti.com

ऑर्गेनिक एवं प्राकृतिक खेती पर जोर दें किसान

रजत जयंती स्थापना उत्सव एवं किसान मेले को किया संबोधित

केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा बीजीय मसालों के अनुसंधान एवं विकास में 25 सालों से अग्रणी भूमिका निभा रहा है राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केंद्र

राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केंद्र तबीजी के रजत जयंती स्थापना उत्सव एवं किसान मेले का दीप जलाकर उद्घाटन करते केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी। -नवज्योति

कासं/अजमेर

केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी ने खेती में अंधाधुंध रसायनों के उपयोग पर चिंता जताते हुए किसानों से ऑर्गेनिक एवं प्राकृतिक खेती करने का आह्वान किया है। वे रविवार को राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केंद्र तबीजी के रजत जयंती स्थापना उत्सव एवं किसान मेले में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय बीजीय मसाल अनुसंधान केंद्र 25 वर्षों से बीजीय मसालों के अनुसंधान, उन्नत तकनीकों के विकास और किसानों के हित में कार्य करने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। कार्यक्रम में प्रदेशभर से किसानों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

मंत्री चौधरी ने कहा कि संस्थान का कार्य भारतीय कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए महत्वपूर्ण है। किसानों की आय बढ़ाने और कृषि को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में ऐसे संस्थानों की भूमिका अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने संस्थान के वैज्ञानिकों और किसानों को उनके सतत प्रयासों के लिए बधाई देते हुए आशा व्यक्त की कि यह संस्थान आगामी वर्षों में भी नई ऊंचाइयों को छूते हुए किसानों के कल्याण में अपनी भूमिका निभाता रहेगा।

मसाला फसलों की विशेष किस्मों के पेटेंट पर दिया बल

समारोह में पूर्व महानिदेशक भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली पदमभूषण डॉ. आरएस परोदा ने विश्व में आगे बढ़ने और भारत की जनसंख्या की खाद्य पूर्ति के लिए नए अनुसंधान की आवश्यकता पर बल दिया। इसके योगदान को एक ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने के लिए एफपीओ और आईसीएआर संस्थानों को साथ में कार्य करने का आह्वान किया। साथ ही मसाला फसलों की विशेष किस्मों का जीआई तथा पेटेंट करने पर बल दिया।

स्तंभ व पोषण वाटिका का अनावरण, प्रदर्शनी का अवलोकन

इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने संस्थान परिसर में रजत जयंती स्तंभ और पोषण वाटिका का अनावरण किया और मेला परिसर में लगी खेती-किसानी से संबंधित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। साथ ही किसानों, वैज्ञानिकों, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से संवाद करते हुए संस्थान की उपलब्धियों की सराहना की। निदेशक डॉ.विनय भारद्वाज ने स्वागत भाषण दिया और संस्थान की गतिविधियों की जानकारी दी।

उत्कृष्ट सेवा के लिए सम्मानित

समारोह में अतिथियों ने संस्थान के वैज्ञानिकों, कर्मचारी एवं किसानों को उत्कृष्ट सेवा के लिए सम्मानित किया। इसमें संस्थान के जीके त्रिपाठी, सियाराम मीणा आदि का नाम शामिल था। कार्यक्रम में डेयरी सचिव एवं आईसीएआर महानिदेशक हिमांशु पाठक, आईसीएआर बागवानी विज्ञान के उप महानिदेशक संजय कुमार सिंह, सहायक महानिदेशक सुधाकर पांडे, एसकेएन कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर के कुलपति बलराज सिंह, महाराणा प्रताप कृषि विश्वविद्यालय, उदयपुर के कुलपति अजित कुमार कर्नाटक, अटारी जोधपुर के निदेशक जेपी मिश्रा, केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर के निदेशक अरुण कुमार तोमर, सीआरआईजेडएफ बीकानेर के निदेशक जयदीप यादव, आईसीएआर मुख्यालय के प्रधान वैज्ञानिक विक्रमादित्य पांडे, संस्थापक निदेशक एस.के. त्रिपाठी और पूर्व निदेशक एम.एम. अनवर सहित बड़ी संख्या में वैज्ञानिक, अधिकारी, जनप्रतिनिधि और किसान उपस्थित रहे।

अव्यवस्थाओं का आरोप लगाकर किया हंगामा

चौमूं के एक गांव के किसानों ने समारोह शुरू होने से पूर्व अव्यवस्थाओं का आरोप लगाते हुए कुछ देर के लिए हंगामा किया। किसान गजानंद शर्मा का आरोप था कि दो बसों से भरकर करीब 138 किसान आए हैं। जिसमें अधिकतर बुजुर्ग किसान शामिल हैं। वे चार से पांच घंटे का सफर कर कार्यक्रम स्थल पहुंचे। लेकिन यहां उनके लिए चाय नाश्ते और खाने की व्यवस्था नहीं की। सभी को संस्थान के गार्डन में बैठा दिया गया। बाद में संस्थान के अधिकारियों ने समझा बुझाकर किसानों का गुस्सा शांत किया और इनके लिए खाने-पीने आदि की व्यवस्था की।

पत्रिका

CITY BOOK
सिटी बुक 07 राजस्थान पत्रिका
अजमेर, सोमवार, 20 जनवरी, 2025

खाद्य पूर्ति के लिए नए अनुसंधान जरूरी - परोदा

रसायन के उपयोग से बचने के लिए प्राकृतिक खेती पर दें जोर - चौधरी

राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केन्द्र की रजत जयंती पर किसान मेला आयोजित

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

अजमेर. खेती में रसायनों के अंधाधुंध उपयोग चिंतनीय हैं। इससे निपटने के लिए ऑर्गेनिक एवं प्राकृतिक खेती की जरुरत है। नवीनतम जानकारी से खेती की बढ़ती लागत पर नियंत्रण संभव है। यह बात केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने कही। वह तबीजी स्थित राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केन्द्र की रजत जयंती के उपलक्ष्य में रविवार को आयोजित किसान मेले में कृषकों को संबोधित कर रहे थे। चौधरी ने कृषकों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से संस्थान में किए जा रहे कार्यों की सराहना की और तकनीकी विकास से खेती में आ रही समस्याओं जैसे उचित बीज, कीट एवं रोग की नवीन उपचार करने की जरुरत बताई। मोटे अनाजों के उपयोग पर कार्य करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

खाद्य आपूर्ति के लिए नवीन अनुसंधान जरूरी

इस अवसर पर पद्म भूषण भा.कृ.अनु.प. नई दिल्ली के महानिदेशक व पूर्व सचिव (डेयरी) डॉ. आर.एस. परोदा ने विश्व में आगे बढ़ने और भारत की जनसंख्या की खाद्य पूर्ति के लिए नवीन अनुसंधान की जरुरत बताई। इसके योगदान को 1.0 ट्रिलयन डॉलर तक पहुंचाने के लिए एफपीओ और आईसीएआर संस्थानों को साथ में कार्य करने का आहवान किया। मसालों फसलों की विशेष किस्मों का जी.आई तथा पेंटेंट करने पर बल दिया।

अजमेर. भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, राष्ट्रीय बीजीय अनुसंधान केन्द्र में रविवार को आयोजित किसान मेले में मंचासीन केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी व अन्य अतिथि। पत्रिका

अजमेर. राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केन्द्र में किसान मेले में मौजूद कृषक व अन्य लोग। पत्रिका

कई संस्थानों के प्रमुख हुए शामिल

कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर के कुलपति डॉ. बलराज सिंह, डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक, कुलपति कृषि विश्वविद्यालय, उदयपुर, डॉ. सुधाकर पांडेय, सहायक महानिदेशक, बागवानी, डॉ. विक्रमादित्य पाण्डेय, प्रधान वैज्ञानिक, नई दिल्ली एवं राज्य के अन्य भा.कृ.अनु.प. संस्थानों के निदेशक शामिल मौजूद रहे। संस्थान के निदेशक, डॉ. विनय भारद्वाज ने आगुंतकों का स्वागत किया। उन्होंने यहां विकसित तकनीकों को किसानों को अपनाने की जरुरत बताई।

पुस्तकों का विमोचन

डॉ. आर.एस. परोदा, पूर्व सचिव (डेयर) एवं महानिदेशक ने विभिन्न पुस्तकों का विमोचन किया। कार्यक्रम में संस्थान के विभिन्न वैज्ञानिकों, कर्मचारियों एवं किसानों को प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किए गए।

किसान मेला: 40 स्टॉल पर कृषि की तकनीकी सामग्री का प्रदर्शन

कृषि राज्यमंत्री ने पोषण वाटिका का अनावरण किया

अजमेर| राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केंद्र तबीजी के 25वें स्थापना दिवस समारोह में केंद्र की 25 साल की उपलब्धियां गिनाई गईं। इस मौके पर किसान मेले का भी आयोजन किया गया, जिसमें 40 स्टॉल लगाए गए थे। इन स्टॉलों पर कृषि की आधुनिक तकनीक से संबंधित सामग्री प्रदर्शित की गई। कई पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी ने रजत जयंती स्तंभ और पोषण वाटिका का अनावरण किया और अनुसंधान केंद्र को क्रॉप क्वालिटी टेस्टिंग लैब शुरू करवाने का आश्वासन भी दिया। चौधरी ने दलहन, तिलहन और फल-फूल आदि के साथ-साथ मोटे अनाजों के ज्यादा उपयोग पर कार्य करने की जरूरत पर जोर दिया। कार्यक्रम में संस्थान के विभिन्न वैज्ञानिक, कर्मचारियों और किसानों का प्रशस्ति पत्र भी दिए गए। 25 वर्ष से सेवाएं दे रहे जीके त्रिपाठी और तियाराम को सम्मानित किया गया। निदेशक डॉ. विनय भारद्वाज ने प्रगति रिपोर्ट पढ़ी।

खाद्य पूर्ति के लिए नए अनुसंधान की जरूरत पर जोर: पद्म भूषण से सम्मानित आईसीएआर के पूर्व

महानिदेशक राजेंद्र सिंह परोदा ने विश्व में आगे बढ़ने और भारत की जनसंख्या की खाद्य पूर्ति के लिए नए अनुसंधान की जरूरत पर जोर दिया। कार्यक्रम में डेयरी सचिव एवं आईसीएआर महानिदेशक हिमांशु पाठक, आईसीएआर बागवानी विज्ञान के उप महानिदेशक संजय कुमार सिंह, सहायक महानिदेशक सुधाकर पांडे, एसकेएन कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के कुलपति बलराज सिंह, अटारी (जोधपुर) के निदेशक जेपी मिश्रा, केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान, अविकानगर के निदेशक अरुण कुमार तोमर, सीआरआईजेडएफ, बीकानेर के निदेशक जयदीप यादव, आईसीएआर मुख्यालय के प्रधान वैज्ञानिक विक्रमादित्य पांडे, संस्थापक निदेशक एसके त्रिपाठी और पूर्व निदेशक एमएम अनवर सहित कई विद्यार्थी और 1500 से ज्यादा किसान मौजूद रहे।